भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 246*

(18 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

ओडिशा में ग्रामीण विकास

***246. श्री अनन्त नायक:**

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ओडिशा में वर्तमान में ग्रामीण विकास से संबंधित कुल कितनी केंद्रीय योजनाएं कार्यशील हैं तथा उनसे जिलावार कितने ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं;

(ख) सरकार द्वारा ओडिशा में ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने तथा महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जिलावार क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान ओडिशा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) के तहत कितने लोगों को रोजगार प्रदान किया गया है ; और

(घ) ओडिशा के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल , आवास तथा स्वच्छता अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

ग्रामीण विकास मंत्री

(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

लोक सभा में दिनांक 18.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या *246 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): ओडिशा के सभी जिलें सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से , ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा योजना) , प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाईजी), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) , दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई) , ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) , राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) का वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी) जैसी कई योजनाएं/कार्यक्रम लागू कर रहा है। इन योजनाओं/कार्यक्रमों के तहत लाभार्थियों की जिलेवार संख्या , जहां कहीं भी इसका रखरखाव किया गया है, **अनुबंध-I** में दी गई है।

(ख): यह मंत्रालय ओडिशा सहित देश भर में ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने और महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए डीएवाई-एनआरएलएम को कार्यान्वित कर रहा है। कृषि और गैर-कृषि आजीविका दोनों क्षेत्रों के कार्यकलापों का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के बीच उत्पादकता , स्थिरता और वित्तीय अत्मनिर्भरता को बढ़ाना है। कृषि आजीविका घटक के तहत , महिला किसानों को कृषि पारिस्थितिकी पद्धतियों (एईपी) को बढ़ावा देने के लिए सहायता दी जा रही है। एसएचजी/एसएचजी सदस्यों को मूल्य श्रृंखला पहलों के माध्यम से एसएचजी उत्पादों पर बेहतर लाभ प्राप्त करने के लिए सहायता दी जा रही है। महिला किसानों को लागत कम करने और उत्पादकता में सुधार करने के लिए कृषि-पारिस्थितिक पद्धतियों में प्रशिक्षण दिया जाता है। गैर-कृषि क्षेत्र में, यह मंत्रालय डीएवाई-एनआरएलएम के तहत एक उप-योजना, स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) को भी कार्यान्वित कर रहा है , जिसका उद्देश्य एसएचजी परिवारों को गैर-कृषि क्षेत्रों में गांव स्तर पर उद्यम स्थापित करने में मदद करना है। एसवीईपी में लाभार्थी परिवारों को उद्यम स्थापित करने की लागत को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए सामुदायिक उद्यम निधि के माध्यम से सहायता देने का प्रावधान है , और शेष राशि लाभार्थी को अपनी बचत या बैंक क्रेडिट से प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है।

इसके अलावा , एसएचजी और उनके संघों को परिक्रामी निधि (आरएफ) और सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करके आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाता है। ओडिशा में एसएचजी को दी जाने वाली जिलावार पूंजीकरण सहायता (परिक्रामी निधि सहित सामुदायिक निवेश निधि) **अनुबंध-II** में दी गई है। इससे उन्हें एक कोष बनाने में मदद मिलती है , जिससे एसएचजी सदस्य आजीविका को बढ़ावा देने सहित

विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण ले सकते हैं। इसके अलावा , एसएचजी को रियायती ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करने के लिए बैंकों से जुड़ने की सुविधा भी दी जाती है। मंत्रालय अपने स्वयं के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म , यानी www.esaras.in और अन्य ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से एसएचजी उत्पादों के विपणन की सुविधा भी देता है। कुछ राज्यों ने एसएचजी के उत्पादों के विपणन में सहायता करने के लिए अपने स्वयं के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी विकसित किया हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को अपने उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने के लिए भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा , स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी और विपणन सरस आजीविका मेले के माध्यम से राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर भी किया जाता है।

इसके अलावा , ओडिशा राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार , डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 के आजीविका कार्यकलापों के बजट शीर्ष के अंतर्गत अब तक 77.78 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। ओडिशा में डब्ल्यूडीसी -पीएमकेएसवाई 2.0 के आजीविका गतिविधियों बजट शीर्ष के अंतर्गत परिक्रामी निधि प्रदान किए गए स्वयं सहायता समूहों की संख्या का जिलावार विवरण अनुबंध-III में दिया गया है।

(ग): महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत 2019-20 से 2023-24 तक के पिछले पांच वित्तीय वर्षों में और चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 (12.03.2025 की स्थिति अनुसार) में ओडिशा राज्य में रोजगार प्राप्त लोगों की संख्या और सृजित श्रम दिवसों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	**कुल काम करने वाले व्यक्ति (लाख में)**	**सृजित श्रम दिवस (करोड़ में)**
2019-20	37.32	11.14
2020-21	62.15	20.40
2021-22	55.53	19.35
2022-23	51.74	17.99
2023-24	49.91	17.62
2024-25 (दिनांक 12.03.2025 की स्थिति के अनुसार)	31.75	10.28
कुल	**288.40**	**96.78**

(घ): जहां तक ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए कदमों का सवाल है , पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विभाग ने 2 अक्टूबर, 2014 से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम-(जी)] शुरू किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को शौचालय की सुविधा प्रदान करके 2 अक्टूबर, 2019 तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाना था। 2 अक्टूबर, 2019 तक ओडिशा सहित देश के सभी गांवों ने पहले ही खुद को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया था। ओडीएफ के परिणाम प्राप्त करने के बाद , एसबीएम (जी) के दूसरे चरण को 2020-21 से 2025-26 की अवधि के दौरान लागू किया जा रहा है, जिसमें ओडीएफ स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और सभी गांवों को ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के साथ कवर किया जाएगा, यानि गांवों को ओडीएफ से ओडीएफ प्लस (मॉडल) में परिवर्तित किया जाएगा। यह योजना ओडिशा सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित की जा रही है। ओडिशा के 46,929 गांवों में से अब तक 44,961 गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस (आकांक्षी- 1,258, उभरते-18, मॉडल-43,685) घोषित किया जा चुका है।

ओडिशा राज्य सहित ग्रामीण क्षेत्रों में "सभी के लिए आवास" के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, ग्रामीण विकास मंत्रालय 01 अप्रैल, 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) को कार्यान्वित कर रहा है ताकि पात्र ग्रामीण परिवारों को सहायता प्रदान की जा सके और मार्च 2029 तक बुनियादी सुविधाओं वाले 4.95 करोड़ पक्के आवासों का निर्माण करने का संचयी लक्ष्य रखा गया है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र को कुल 3.79 करोड़ आवास आवंटित किए गए हैं और जिनमें से 3.55 करोड़ आवास स्वीकृत किए गए हैं और 2.71 करोड़ से अधिक आवास का निर्माण पूरा हो चुका है। पीएमएवाई-जी के तहत , आवास बनाने के लिए इकाई सहायता के अलावा, लाभार्थी को स्वच्छ भारत मिशन (जी), मनरेगा या किसी अन्य विशिष्ट वित्तपोषण स्रोत के तहत शौचालय निर्माण के लिए ₹12,000/- की सहायता भी मिलेगी और मैदानी क्षेत्रों में 90 श्रम दिवस और पहाड़ी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों, पूर्वोत्तर राज्यों, कठिन क्षेत्रों में 95 श्रम दिवस का समर्थन मनरेगा योजना के तहत अभिसरण के माध्यम से मिलेगा। पीएमएवाई-जी के लाभार्थियों को एलपीजी कनेक्शन , बिजली कनेक्शन, पानी कनेक्शन आदि जैसी अन्य बुनियादी सुविधाएं भी भारत सरकार और संबंधित राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से प्रदान की जाती हैं।

****

'ओडिशा में ग्रामीण विकास' के संबंध में लोक सभा में दिनांक 18.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या *246 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

1. **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा योजना)**

क्र.सं.	जिला	रोजगार प्राप्त करने वाले व्यक्ति (संख्या में)				
		2019-20	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
1	अंगुल	71285	161529	150708	159702	136163
2	बालेश्वर	131660	179675	156043	136868	138536
3	बारगढ़	123718	192416	153662	156472	137632
4	भद्रक	86768	142784	125224	117486	135937
5	बोलंगीर	204777	365628	341859	319696	301667
6	बौध	65481	82949	73784	80625	86433
7	कटक	96177	160734	145214	101161	108565
8	देवगढ़	48142	74382	62470	58186	53800
9	ढेंकनाल	110813	236504	188970	165142	168954
10	गजपति	82537	130520	112859	105591	115012
11	गंजम	290498	486474	546298	535757	400939
12	जगतसिंहपुर	44018	105749	73296	82668	94987
13	जाजपुर	87565	146056	116326	119867	143546
14	झारसुगुडा	47252	60362	56079	49321	57002
15	कालाहांडी	169297	298373	259482	273474	278815
16	कंधमाल	131445	215112	246239	248927	237932
17	केंद्रपाड़ा	87611	144901	117820	128709	100854
18	केंदुझर	218419	375652	334145	303333	287598
19	खोरधा	40399	87113	70271	64259	64086
20	कोरापुट	184754	312841	296293	276929	260074
21	मल्कानगिरी	63814	117549	112520	106822	112432
22	मयूरभंज	373251	501269	427694	391189	400912
23	नबरंगपुर	192627	310751	236749	215076	190806
24	नयागढ़	91070	148631	134936	117194	125372
25	नुआपाड़ा	102553	181750	147035	144408	145220
26	पुरी	96136	161152	135072	99996	122794
27	रायगढ़	150256	233913	225563	184129	159523
28	संबलपुर	69180	138362	105149	91164	92390
29	सोनेपुर	69764	105601	84529	74659	80750
30	सुंदरगढ़	200335	356016	316873	265690	252519
	कुल	**3731602**	**6214748**	**5553162**	**5174500**	**4991250**

2. **प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी)**

दिनांक 12.03.2025 की स्थिति के अनुसार स्वीकृत एवं निर्मित आवासों का जिलावार ब्यौरा			
क्र.सं.	**जिले का नाम**	**स्वीकृत आवास**	**निर्मित आवास**
1	अंगुल	59,562	53,373
2	बालेश्वर	1,71,032	1,35,005
3	बारगढ़	1,22,910	1,09,553
4	भद्रक	1,28,052	98,121
5	बोलंगीर	1,76,816	1,61,731
6	बौध	67,338	55,547
7	कटक	63,779	57,533
8	देवगढ़	14,795	14,062
9	ढेंकनाल	85,139	78,489
10	गजपति	43,772	28,587
11	गंजम	80,612	71,687
12	जगतसिंहपुर	24,902	22,214
13	जाजपुर	88,010	77,202
14	झारसुगुडा	35,893	33,039
15	कालाहांडी	1,40,514	1,18,714
16	कंधमाल	53,719	43,070
17	केंद्रपाड़ा	74,031	59,366
18	केंदुझर	1,72,829	1,41,706
19	खोरधा	26,313	23,362
20	कोरापुट	99,473	77,728
21	मल्कानगिरी	43,510	31,682
22	मयूरभंज	3,51,780	2,75,293
23	नबरंगपुर	1,36,402	1,11,082
24	नयागढ़	51,490	43,295
25	नुआपाड़ा	1,09,053	83,188
26	पुरी	59,918	51,936
27	रायगढ़	68,914	55,484
28	संबलपुर	59,109	55,636
29	सोनेपुर	70,689	62,112
30	सुंदरगढ़	1,42,140	1,32,345
	कुल	**28,22,496**	**23,62,142**

3. **प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)**

पीएमजीएसवाई एक लाभार्थी उन्मुख योजना नहीं है। पीएमजीएसवाई के तहत कनेक्टिविटी की इकाई गांव नहीं बल्कि बसावट है। ओडिशा राज्य में लाभान्वित बसावटों का जिलावार विवरण OMMAS> Progress>Monitoring>Habitation Coverage Report पर देखा जा सकता है।

4. **दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम)**

ओडिशा राज्य में स्वयं सहायता समूहों और संगठित किए गए परिवारों का जिलावार ब्यौरा			
क्र.सं.	**जिले का नाम**	**स्वयं सहायता समूहों की संख्या**	**संगठित किए गए परिवारों की संख्या**
1.	अंगुल	22,380	2,34,916
2.	बालेश्वर	35,518	3,70,138
3.	बारगढ़	16,691	1,69,341
4.	भद्रक	21,253	2,23,659
5.	बोलंगीर	22,728	2,33,045
6.	बौध	6,117	62,417
7.	कटक	31,533	3,29,919
8.	देवगढ़	5,842	63,823
9.	ढेंकनाल	17,056	1,73,991
10.	गजपति	9,345	93,996
11.	गंजम	40,975	4,15,882
12.	जगतसिंहपुर	19,628	2,09,787
13.	जाजपुर	28,865	2,97,031
14.	झारसुगुडा	5,893	59,924
15.	कालाहांडी	21,604	2,18,448
16.	कंधमाल	13,403	1,37,264
17.	केंद्रपाड़ा	24,025	2,55,135
18.	केंदुझर	25,435	2,62,202
19.	खोरधा	19,919	2,05,475
20.	कोरापुट	17,751	1,70,927
21.	मल्कानगिरी	8,603	84,559
22.	मयूरभंज	36,885	3,69,921
23.	नबरंगपुर	15,112	1,51,134

24.	नयागढ़	15,314	1,56,651
25.	नुआपाड़ा	8,968	88,818
26.	पुरी	28,679	3,09,399
27.	रायगढ़	12,702	1,29,267
28.	संबलपुर	11,614	1,18,458
29.	सोनेपुर	8,584	85,956
30.	सुंदरगढ़	24,712	2,51,900
	कुल	**5,77,134**	**59,33,383**

5. **दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई)**

डीडीयू-जीकेवाई के तहत ओडिशा राज्य में योजना की शुरूआत से फरवरी 2025 तक प्रशिक्षित और नियोजित अभ्यर्थियों का जिलावार ब्यौरा			
क्र.सं.	**जिले का नाम**	**प्रशिक्षित**	**नियोजित**
1.	अंगुल	4758	3399
2.	बोलंगीर	5915	3796
3.	बालेश्वर	8018	5666
4.	बारगढ़	6086	4619
5.	भद्रक	9172	6671
6.	बौध	2525	1510
7.	कटक	11902	7129
8.	देवगढ़	2749	2051
9.	ढेंकनाल	5702	3841
10.	गजपति	3893	3072
11.	गंजम	15752	9175
12.	जगतसिंहपुर	8038	5638
13.	जाजापुर	13275	9477
14.	झारसुगुडा	2743	1566
15.	कालाहांडी	10079	6734
16.	कंधमाल	8541	7192
17.	केंद्रपाड़ा	11428	7503
18.	केंदुझर	12263	9842
19.	खोरधा	9037	6087
20.	कोरापुट	5424	3349
21.	मल्कानगिरी	2513	1439
22.	मयूरभंज	16854	12973
23.	नबरंगपुर	4149	2756
24.	नयागढ़	4969	3306

25.	नुआपाड़ा	2357	2190
26.	पुरी	9408	6472
27.	रायगढ़	5036	4195
28.	संबलपुर	5109	3796
29.	सोनेपुर	2995	1788
30.	सुंदरगढ़	12406	10139
	कुल	**223096**	**157371**

स्रोत: कौशल भारत पोर्टल/ओडिशा राज्य

6. ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई)

आरएसईटीआई के तहत ओडिशा राज्य में योजना की शुरूआत से लेकर जनवरी 2025 तक प्रशिक्षित और नियोजित अभ्यर्थियों का जिलावार ब्यौरा			
क्र.सं.	**जिले का नाम**	**प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या**	**नियोजित प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या**
1	अंगुल	8968	6693
2	बालेश्वर	10900	7192
3	देवगढ़	7144	4859
4	खुर्दा	16252	13393
5	संबलपुर	9244	7504
6	कालाहांडी	9124	7019
7	बारगढ़	9047	7945
8	भद्रक	9636	7834
9	बोलंगीर	8655	6901
10	बौध	8213	5550
11	कटक	8640	5833
12	ढेंकनाल	9423	6712
13	गजपति	9184	7842
14	गंजम	10677	8467
15	जगतसिंहपुर	8515	5877
16	जाजपुर	9627	7601
17	झारसुगुडा	11735	9922
18	केंद्रपाड़ा	10944	8183
19	केंदुझर	8473	6158
20	कोरापुट	7367	5310
21	मल्कानगिरी	7490	5632

22	मयूरभंज	11082	8875
23	नबरंगपुर	8514	6384
24	नुआपाड़ा	8405	6581
25	नयागढ़	8660	6809
26	कंधमाल	8744	6832
27	पुरी	9242	6457
28	रायगढ़	8007	6520
29	सोनेपुर	8478	6642
30	सुंदरगढ़	9124	6657
	कुल	**279514**	**214184**

स्रोत: आरएसईटीआई का राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनएसीईआर)

7. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी)

एनएसएपी-पेंशन भुगतान प्रणाली (एनएसएपी-पीपीएस) पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दर्ज की गई जानकारी के अनुसार ओडिशा में जिलावार ग्रामीण लाभार्थियों की संख्या		
क्र.सं.	**जिले का नाम**	**ग्रामीण लाभार्थियों की संख्या**
1.	अंगुल	49171
2.	बालेश्वर	95229
3.	बारगढ़	68093
4.	भद्रक	58557
5.	बोलंगीर	90520
6.	बौध	20666
7.	कटक	97439
8.	देवगढ़	16373
9.	ढेंकनाल	60614
10.	गजपति	28164
11.	गंजम	129883
12.	जगतसिंहपुर	55586
13.	जाजपुर	79784
14.	झारसुगुडा	20131
15.	कालाहांडी	78028
16.	कंधमाल	33832
17.	केंद्रपाड़ा	73530
18.	केंदुझर	73446
19.	खोरधा	64407
20.	कोरापुट	97728
21.	मल्कानगिरी	40936
22.	मयूरभंज	118125
23.	नबरंगपुर	68985
24.	नयागढ़	52489
25.	नुआपाड़ा	49763
26.	पुरी	77638
27.	रायगढ़	71613
28.	संबलपुर	38430
29.	सोनेपुर	41378
30.	सुंदरगढ़	78039
	कुल	**1928577**

8. वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी) - प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई)

ओडिशा राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार , राज्य में अब तक डब्ल्यूडीसी - पीएमकेएसवाई 2.0 परियोजनाओं के तहत निर्मित /पुनरुद्धार किए गए जल संचयन ढांचों , सुरक्षात्मक सिंचाई के तहत लाए गए अतिरिक्त क्षेत्र , लाभान्वित किसानों और सृजित मानव दिवसों का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है:

ओडिशा में डब्ल्यूडीसी -पीएमकेएसवाई 2.0 परियोजनाओं के अंतर्गत जिलावार भौतिक उपलब्धियां

क्र.सं.	जिले का नाम	जल संचयन संरचनाएं (संख्या में)	लाभान्वित किसान (संख्या में)	सुरक्षात्मक सिंचाई के अंतर्गत लाया गया अतिरिक्त क्षेत्र (हेक्टेयर में)	सृजित रोजगार (मानव दिवसों में)
1	अंगुल	131	3590	466.90	24024
2	बोलंगीर	214	5290	195.00	92713
3	बारगढ़	200	941	368.00	68787
4	बौध	39	10236	40.60	30539
5	कटक	116	2480	421.00	45813
6	देवगढ़	173	3985	490.34	119722
7	ढेंकनाल	107	2053	91.00	52390
8	गजपति	243	4160	287.16	78380
9	गंजम	73	2917	135.03	100550
10	जाजपुर	21	2234	14.00	5845
11	झारसुगुडा	127	361	139.25	6678
12	कालाहांडी	50	731	91.00	39976
13	कंधमाल	84	4160	267.60	158521
14	केंदुझार	441	2485	829.86	171770
15	खोरधा	94	1842	1862.00	9316
16	कोरापुट	573	36046	761.44	433899
17	मल्कानगिरी	283	2637	298.00	86713
18	मयूरभंज	174	979	237.50	74612
19	नबरंगपुर	347	445	406.50	177535
20	नयागढ़	278	2536	122.40	18679
21	नुआपाड़ा	110	1656	58.70	49507
22	पुरी	164	1382	271.20	51861
23	रायगढ़	174	2351	316.00	142793
24	संबलपुर	267	17802	2375.80	102302
25	सोनेपुर	172	3647	87.00	34499
26	सुंदरगढ़	393	4122	711.50	49647
कुल		**5048**	**121068**	**11344.78**	**2227071**

अनुबंध-II

'ओडिशा में ग्रामीण विकास' के संबंध में लोक सभा में दिनांक 18.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या *246 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

ओडिशा को दी गई पूंजीकरण सहायता की राशि (जिलावार)		
क्र.सं.	**जिला**	**पूंजीकरण सहायता (आरएफ+सीआईएफ) (राशि करोड़ में)**
1	अंगुल	22.87
2	बालेश्वर	27.85
3	बारगढ़	6.36
4	भद्रक	32.34
5	बोलंगीर	11.49
6	बौध	5.02
7	कटक	24.25
8	देवगढ़	7.11
9	ढेंकनाल	8.16
10	गजपति	4.36
11	गंजम	23.85
12	जगतसिंहपुर	24.11
13	जाजपुर	22.18
14	झारसुगुडा	5.73
15	कालाहांडी	7.91
16	कंधमाल	7.63
17	केंद्रपाड़ा	17.11
18	केंदुझर	7.80
19	खोरधा	21.78
20	कोरापुट	6.26
21	मल्कानगिरी	3.48
22	मयूरभंज	13.75
23	नबरंगपुर	3.14
24	नयागढ़	19.89
25	नुआपाड़ा	4.55
26	पुरी	23.59
27	रायगढ़	4.59
28	संबलपुर	11.83
29	सोनेपुर	7.30
30	सुंदरगढ़	11.01
	कुल	**397.30**

अनुबंध-III

'ओडिशा में ग्रामीण विकास' के संबंध में लोक सभा में दिनांक 18.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या *246 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

ओडिशा में डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 के आजीविका कार्यकलापों बजट शीर्ष के अंतर्गत परिक्रामी निधि (आरएफ) प्रदान किए गए स्वयं सहायता समूहों की संख्या का जिलावार विवरण

क्र.सं.	जिले का नाम	आरएफ प्रदान किए गए एसएचजी की संख्या
1	अंगुल	239
2	बोलंगीर	159
3	बारगढ़	350
4	बौध	77
5	कटक	312
6	देवगढ़	276
7	ढेंकनाल	572
8	गजपति	195
9	गंजम	1102
10	जाजपुर	224
11	झारसुगुडा	179
12	कालाहांडी	39
13	कंधमाल	609
14	केंदुझार	384
15	खोरधा	546
16	कोरापुट	849
17	मल्कानगिरी	222
18	मयूरभंज	622
19	नबरंगपुर	191
20	नयागढ़	364
21	नुआपाड़ा	88
22	पुरी	575
23	रायगढ़	122
24	संबलपुर	765
25	सोनेपुर	189
26	सुंदरगढ़	161
कुल		**9411**

*****